

कृष्णा नदी तंत्र (Krishna River System)

1. सामान्य परिचय

- लंबाई: लगभग 1400 किलोमीटर।
- स्थिति: भारत की तीसरी और प्रायद्वीपीय भारत की दूसरी सबसे लंबी नदी (गोदावरी के बाद)।
- प्रवाह दिशा: पश्चिम से पूर्व की ओर (प्रायद्वीपीय ढाल के कारण)।
- प्रवाह क्षेत्र: 2,58,948 वर्ग किमी (भारत के भौगोलिक क्षेत्र का 8%, चौथा सबसे बड़ा बेसिन)।
- विस्तार (4 राज्य): महाराष्ट्र, कर्नाटक, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश।
- रायचूर दोआब: कृष्णा और तुंगभद्रा नदियों के बीच का उपजाऊ क्षेत्र (कर्नाटक और तेलंगाना में)।

2. उद्गम एवं मुहाना

- उद्गम: पश्चिमी घाट (सहयाद्रि) की महाबलेश्वर चोटी (सतारा, महाराष्ट्र)। स्थल: महादेव मंदिर के पास, जोर गांव।
- मुहाना: बंगाल की खाड़ी (आंध्र प्रदेश)।
- डेल्टा क्षेत्र: गुंटूर, कृष्णा, और पश्चिम गोदावरी जिले (आंध्र प्रदेश)।

3. दाएं तट की सहायक नदियां

- कोयना नदी:
 - उद्गम: महाबलेश्वर (महाराष्ट्र)।
 - संगम: कराड (सतारा) में कृष्णा से (प्रीती संगम)।
 - परियोजना: कोयना बांध (झील - शिवसागर सरोवर), महाराष्ट्र की सबसे बड़ी जलविद्युत परियोजना।
- वारना नदी:
 - उद्गम: पाथरपुंज पठार; संगम: हरिपुर (सांगली)।
- पंचगंगा नदी:
 - निर्माण: 5 धाराओं (कसारी, कुंभी, तुलसी, भोगवती + भूमिगत सरस्वती) से।
 - संगम: नरसोबावाडी (कोल्हापुर) में कृष्णा से।
- घाटप्रभा नदी:
 - उद्गम: फाटकवाड़ी झील (महाराष्ट्र); संगम: चिक्कसंगम (कर्नाटक)।
 - स्थल: गोकक जलप्रपात (बेलगाम); बांध: राजा लाखामगोड़ा (हिडकल) बांध।
- मालप्रभा नदी:
 - उद्गम: कनकुंबी गाँव (बेलगाम); संगम: कुडाला संगम (बागलकोट)।
 - ऐतिहासिक स्थल: पट्टदकल (UNESCO), ऐहोले, बादामी के गुफा मंदिर।
 - बांध: नविलुतीर्थ (रेणुका सागर) बांध।
- तुंगभद्रा नदी (सबसे बड़ी सहायक नदी - अपवाह क्षेत्र में):
 - निर्माण: तुंगा + भद्रा का संगम (कूडली ग्राम, शिमोगा)।
 - संगम: संगमलेश्वरम (आंध्र प्रदेश) में कृष्णा से।
 - स्थल: श्रृंगेरी मठ (तुंगा के तट पर), हम्पी (विरुपाक्ष मंदिर - UNESCO)।
 - बांध: तुंगभद्रा बांध / पम्पा सागर (विजयनगर)।

5. प्रमुख बांध एवं परियोजनाएं

- अल्माटी बांध (लाल बहादुर शास्त्री बांध): बीजापुर (कर्नाटक); घाटप्रभा संगम के बाद।
- बसवा सागर बांध (नारायणपुर बांध): यादगीर (कर्नाटक)।
- श्रीशैलम बांध: नल्लामाला पहाड़ियों में (आंध्र प्रदेश-तेलंगाना सीमा); देश का दूसरा सबसे बड़ा जलविद्युत स्टेशन।
- नागार्जुन सागर बांध: पलनाडू और नलगोंडा के मध्य (आंध्र प्रदेश-तेलंगाना सीमा); बौद्ध भिक्षु नागार्जुन के नाम पर।

4. बाएं तट की सहायक नदियां

- येरला नदी:
 - उद्गम: महस्कोबा हिल्स (सतारा); संगम: ब्रह्मणाल (सांगली)।
- भीमा नदी (सबसे लंबी सहायक नदी - 861 किमी):
 - उद्गम: भीमाशंकर पहाड़ियां (महाराष्ट्र); यहाँ 'भीमाशंकर ज्योतिर्लिंग' स्थित है।
 - संगम: रायचूर (कर्नाटक-तेलंगाना सीमा) में कृष्णा से।
 - बांध: उजनी बांध (भीमा परियोजना), सोलापुर।
- मूसी नदी:
 - उद्गम: अनंतगिरी की पहाड़ियां (तेलंगाना); प्राचीन नाम: मुचुकुन्दा।
 - शहर: हैदराबाद इसी के तट पर स्थित है।
 - जलाशय: हिमायत सागर, उस्मान सागर।
- मुनेरू नदी:
 - उद्गम: वारंगल (तेलंगाना); संगम: इतुरु (आंध्र प्रदेश)।

नोट: यह माइंड मैप केवल त्वरित रिवीजन (Quick Revision) के उद्देश्य से तैयार किया गया है। इस विषय के सभी कॉन्सेप्ट्स को विस्तार से समझने और संपूर्ण नोट्स पढ़ने के लिए कृपया gkgsnotes.com पर विजिट करें।